आज हमारे घर है कीर्तन | By Gagan Sharma

आज हमारे घर है कीर्तन बांके बिहारी जी आएंगे
बांके बिहारी जी आएंगे संग राधा रानी जी को लाएंगे
आज हमारे घर है कीर्तन बांके बिहारी जी आएंगे

फूलों से आँगन को सजाया और सजाया कलियों से
आएंगे सरकार हमारे कुञ्ज गली की गलियों से
प्यारे ठाकुर ठकुरानी को संग में लेकर आएंगे
आज हमारे घर है कीर्तन बांके बिहारी जी आएंगे

कितने दिनों से हम दर्शन की आस लगाकर बैठे थे
पड़ेंगे चौखट श्री चरण विश्वास जगा कर रहते थे
आँखें थी दीदार को तरसी हाल ए दिल बतलायेंगे
आज हमारे घर है कीर्तन बांके बिहारी जी आएंगे

मैं गगन हरी नाम दीवाना गाऊं हरी जी के नाम को
संकीर्तन ही जीवन मेरा नमन मेरा ब्रिज्धाम को
जैसी किरपा मुझपे बरसी तुम सब पर बरसायेंगे
आज हमारे घर है कीर्तन बांके बिहारी जी आएंगे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%9c-%e0%a4%b9%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%95%e0%a5%80%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%a8-by-gagan-sharma/